

(i)	का निवासी (जिसे इस के भागे (दूसरा पक्ष) बाध्यताधारी कहा जाएगा): और	इसके साथ स्वरूप पक्षधारी ने इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं साक्षी संख्या-1 हस्ता.	हस्ताक्षर	10
(ii)	का निवासी और	(नाम : संख्या-2 हस्ता.	बाध्यताधारी हस्ताक्षर	
(iii)	का निवासी	(नाम : साक्षी संख्या-1 हस्ता.	जमानती संख्या -1	
जिन्हें भागे (ii) और (iii) को सम्मिलित (तीसरे भाग का) प्रतिभू कहा जाएगा।		(नाम : संख्या-2 हस्ता.	हस्ताक्षर	
बाध्यकारी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यरत है तथा बाध्यताधारी ने निम्नलिखित कारणों से अध्ययनार्थ छुट्टी के लिए आवेदन किया है।		(नाम : साक्षी संख्या-1 हस्ता.	जमानती संख्या-2	
और विश्वविद्यालय ने इस शर्त पर अध्ययनार्थ छुट्टी देना मंजूर किया है कि अध्ययन पूरा होने पर बाध्यताधारी फिर से विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करेगा और विश्वविद्यालय में कम से कम वर्षों तक का करेगा। बाध्यताधारी ने यह शर्त मंजूर कर ली है और प्रतिभू ने भी विश्वविद्यालय को आश्वासन दिया है कि बाध्यकारी अपना दायित्व निष्ठापूर्वक निभाएगा		(नाम : साक्षी संख्या-1 हस्ता.	हस्ताक्षर	
1. जैसा पहले कहा गया है बाध्यताधारी अध्ययन समाप्त करने के बाद विश्वविद्यालय में फिर से कार्य करने के लिए प्रतिज्ञाबद्ध है तथा विश्वविद्यालय में कम से कम वर्षों तक नौकरी करेगा।		(नाम : संख्या-2 हस्ता.	जमानती संख्या-2	
2. यदि बाध्यताधारी अध्ययनार्थ छुट्टी के दौरान अपना अध्ययन पूरा नहीं कर पाता या अध्ययनार्थ छुट्टी समाप्त होने के बाद विश्वविद्यालय का कार्यभार फिर से ग्रहण नहीं करता या कार्यभार ग्रहण करने के बाद सेवा करने के स्वीकृत किए गए समय के समाप्त होने से पहले किसी भी समय विश्वविद्यालय की सेवाओं से इस्तीफा देता है, उपर्युक्त समय के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा बरखास्त कि जाने या हटाए जाने पर बाध्यताधारी और प्रतिभू/बाध्यकारी द्वारा अध्ययनार्थ छुट्टी के दौरान विश्वविद्यालय से पेशगी प्राप्त किया गया धन निर्णीत हर्जाना और धन वापसी के रूप में विश्वविद्यालय को या वह जिसे भी कहे, वापस करेंगे। यदि बाध्यताधारी अध्ययनार्थ छुट्टी में वापस आने पर 18 महीने नौकरी करता है तब बाध्यकारी भागे और प्रतिभू को निर्णीत हर्जाने के रूप में आधा मूल्य ही देना पड़ेगा।		(नाम : साक्षी संख्या-1 हस्ता.	विश्वविद्यालय का अधिकारी	
3. बाध्यताधारी और प्रतिभू ऊपर लिखित धारा (2) के अनुसार उमर प्रतिशत पर 6% प्रतिवर्ष की दर से बचत भी करेंगे।		(नाम : संख्या-2 हस्ता.		
4. बाध्यताधारी और प्रतिभू दोनों का विश्वविद्यालय को रकम अदा करने का संयुक्त दायित्व हमेशा और विश्वविद्यालय उन सबसे या अलग-अलग किसी से भी डम देव राशि को वसूल करने में सक्षम होगा।		(नाम : संख्या-2 हस्ता.		
5. ऊपर लिखित एक लगाने करने कर्ता प्रतिभूति है समय बढ़ाने की स्वीकृति मिलने के कारण या अन्य स्थान कार्य या विश्वविद्यालय की त्रुटि या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा अनुग्रह या बाध्यताधारी या किसी प्रतिभू के प्रति विश्वविद्यालय द्वारा की गई रियायत के कारण काम या रद्द नहीं की जा सके। और विश्वविद्यालय इस देव राशि को उन सबसे या उनमें से किसी एक से वसूल करने में सक्षम रहेगा।		(नाम : संख्या-2 हस्ता.		
6. विश्वविद्यालय समय-समय पर अपने स्वनिर्णय द्वारा, प्रतिभू से बिना पूछे बाध्यताधारी को अध्ययनार्थ छुट्टी बढ़ा सकता है तथा प्रतिभू हर प्रकार से अध्ययन छुट्टी के मूल तथा बढ़े हुए समय के लिए भी, इन रकमों को अदा करने के लिए जिम्मेदार होंगे।		(नाम : संख्या-2 हस्ता.		
7. यदि विश्वविद्यालय द्वारा भारत के बाहर भ्रमण किया जाता है तो बाध्यताधारी और जमानतियों को अदायगी के समय चालू सरकारी विनियम दर के अनुसार उनकी समकक्ष राशि भारतीय मुद्रा में अदा करनी होगी।		(नाम : संख्या-2 हस्ता.		

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY

New Delhi, the 24th April, 1990

G.S.R. 310.—In exercise of the powers conferred on him under Section 26(2) of the IGNOU Act, 1985 (No. 50 of 1985), read with Statute 17(1) and Statute 18 in the Second Schedule of the Act ibid, the Vice-Chancellor makes the following Ordinance (Ordinance No. 2) for governing leave of all employees of the Indira Gandhi National Open University, including Teachers and other Academic Staff.

ORDINANCE GOVERNING LEAVE OF ALL EMPLOYEES OF THE UNIVERSITY INCLUDING TEACHERS AND OTHER ACADEMIC STAFF

1. Short title and Extent of Application.—The ordinance as set out in Annexure 'A' may be called "Ordinance for regulating leave of all employees of the Indira Gandhi National Open University, including Teachers and other Academic Staff".

These Ordinances shall be deemed to have come into force on 20th September, 1985.

2. Interpretation.—If any question arises as to the interpretation of these Ordinances it shall be resolved by the Board of Management.

[No. AD(G)/Ord. 2(1) 89]
NARAYANAN, Registrar